ज्ञान और शिक्षा का दान सर्वश्रेष्ठ : डॉ पाठक

सेवा समय, दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के करोल बाग स्थित जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज में 59 वें स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सुलभ इंटरनेशनल फाउंडेशन के संस्थापक डॉ विंदेश्वर पाठक और लोक सभा सदस्य मिनाक्षी लेखी उपस्थित रहीं कॉलेज कमेटी के सदस्य और एरिया काउंसलर परम जीत सिंह राणा भी इस मौके पर मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना के साथ हुई। इसके बाद सारंग सोसाइटी ने वैष्णव जन नामक भजन की प्रस्तुति कर सभी श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। इसके बाद कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ स्वाति पाल ने कॉलेज के इतिहास और अभी तक के संचालन के सफर पर एक संक्षिप्त वक्तव्य प्रस्तुत किया। डॉ स्वाति पाल 22 वर्षों से कॉलेज में अध्यापन क्षेत्र में बखूबी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रही हैं। डॉ पाल ने चर्चा में जेडीम कॉलेज की चेयरपर्सन रही डॉ कुसुम की तरफ से छात्राओं को 5 लाख रुपए की स्कॉलर्शिप की राशि और 10 लाख रुपए हॉस्टल के लिए दिए जा रहे अनुदान की बात को भी बड़ी प्रशंशा के साथ बताया। भजनों की मनमोहक प्रस्तुति के बाद 'नूपुर' नामक इंडियन क्लासिकल डांस सोसाइटी ने रूद्र तांडव और आनंद तांडव नामक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम की रौनक में चार चाँद लगा दिए कार्यक्रमों की प्रस्तुति के बाद मिनाक्षी लेखी ने अपने वक्तव्य में देश के वीर जवानों का उल्लेख किया और देश और समाज के प्रति उनके वीरता के जज़्बे को बताया। इसके साथ ही छात्राओं के लिए एक ओपन जिम कॉलेज में शुरू करने की भी घोषणा की हैं जिसकी शुरुआत जल्द ही परिसर में की जाएगी। भाषण के बाद अगला कार्यक्रम अनुभूति सोसाइटी

के द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसमें मैला कुचैला नाटक के माध्यम से देश में मैला ढोने वालों की स्थिति पर नाटकीय ढंग से प्रकाश डाला गया। कॉलेज कमेटी के सदस्य और एरिया काउंसलर राणा ने अपने वक्तव्य में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने और नारी के सम्मान की बात को जोर देकर कहा। कार्यक्रम के अंत में प्रमुख अतिथि पदम् भूषण डॉ विंदेश्वर पाठक ने अपने अनमोल विचारों को मंच के माध्यम से लोगों के बीच साँझा किया। उन्होंने अपने आप को गाँधी का अनुयायी बताते हुए अहिंसा और साफ़ सफाई पर विशेष जोर दिया। उन्होंने शिक्षा में संवेदनशीलता पर बहुत जोर दिया। उनके अनुसार शिक्षित मनुष्य का संवेदनशील होना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कॉलेज में एक सेप्टिक टैंक के निर्माण की जिम्मेदारी भी ली। उन्होंने आगे कहा की उनके सहायक गण मल को खाद्य में परिवर्तित करने एवं मैला ढोने वालों को एक स्वच्छ आजीविका प्रदान करने में महत्पूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद पाठक ने कॉलेज परिसर में 'ईको जोन' अवनी सोसाइटी के अंतर्गत पौधरोपण समारोह में भी हिस्सा लिया।

इस अवसर पर द सेवा समय से खास मुलाकात में विश्वविख्यात भारतीय समाजिक कार्यकर्ता एवं उद्यमी डॉ विंदेश्वर पाठक ने कहा की युधिष्ठिर ने भीष्म पिता से पूछा दान में क्या देना चाहिए? उन्होंने कहा भूखे को खाना, प्यासे को पानी। लेकिन वह फिर मांगने आएगा, इसलिए ज्ञान का दान, शिक्षा का दान सबसे जरुरी है। खास कर बेटिओं के लिए ज्ञान और शिक्षा की अहम् भूमिका है। शिक्षा के प्रकाश से जीवन का अंधकार समाप्त हो जाता है। आपको बता दें की डॉ पाठक ने 1970 मे सुलभ इन्टरनेशनल की स्थापना की। सुलभ इंटरनेशनल मुख्यतः मानव अधिकार, पर्यावरणीय स्वच्छता, ऊर्जा के गैर पारंपरिक स्त्रोतों और शिक्षा द्वारा सामाजिक परिवर्तन आदि क्षेत्रों में कार्य करने वाली एक अग्रणी संस्था है।

इनके द्वारा किए गए कार्यों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है और पुरस्कृत किया गया है। सुलभ को अन्तर्राष्ट्रीय गौरव उस समय प्राप्त हुआ जब संयुक्त राष्ट्र संघ की आर्थिक एवं सामाजिक परिषद द्वारा सुलभ इण्टरनेशनल को विशेष सलाहकार का दर्जा प्रदान किया गया। श्री पाठक को भारत सरकार द्वारा 1991 में पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सन् 2003 में श्री पाठक का नाम विश्व के 500 उत्कृष्ट सामाजिक कार्य करने वाले व्यक्तियों की सूची में प्रकाशित किया गया। श्री पाठक को एनर्जी ग्लोब पुरस्कार, इंदिरा गांधी पुरस्कार, स्टाकहोम वाटर पुरस्कार इत्यादि सहित अनेक पुरस्कारों द्वारा सम्मानित किया गया है। उन्होने पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने के लिये प्रियदर्शिनी पुरस्कार एवं सर्वोत्तम कार्यप्रणाली के लिये दुबई अन्तरराष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त किया है। इसके अलावा सन 2009 में अंतर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा संगठन का अक्षय उर्जा पुरस्कार भी प्राप्त किया।

इस अवसर पर डॉ पॉल ने कहा की सकारात्मक सोंच के साथ अध्ययन और अध्यापन, शिक्षा की गुणवत्ता, खेल, एवं अन्य गतिविधिओं के द्वारा विगत 22 वर्षों से बेटियों का भविष्य निर्माण हो रहा है जो देश और दुनिया के मानचित्र पर गौरव के साथ अपने माँबाप का नाम रौशन कर रही हैं